अमर उजाला जनपद शाहजहॉपुर दिनॉक 08.09.2024

उद्योगों की सुरक्षा के लिए तकनीक पर दें ध्यान : एडीजी

आईआईए के 'सुरक्षा से समृद्धि' कार्यक्रम में साइबर अपराध पर चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

शाहजहांपुर। एडीजी जोन रमित शर्मा ने कहा कि उद्योगों की सुरक्षा पर टेक्नोलॉजी पर ध्यान दिया जाए। पुलिस महकमे के साथ मिलकर साइबर डोम बनाने का काम किया जाए। इससे साइबर अपराधों पर अंकुश लगेगा। वह इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से संवाद एवं समाधान के अंतर्गत सुरक्षा से समृद्धि कार्यक्रम में बोल रहे थे।

एडीजी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे का आईपी एड्रेस पुलिस को उपलब्ध कराएं। इससे आने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर निगाह रखी जाए। स्कूलों में बच्चों को बुजुर्गों एवं महिलाओं का सम्मान करना सिखाएं। बोले-साइबर अपराध की गिरफ्त में लोग लालच की वजह से आते हैं। सोशल मीडिया पर महंगी चीज को सस्ते में मिलने के लालच में लिंक पर क्लिक कर खोलते हैं और अपराध का शिकार हो जाते हैं।

आईजी डॉ. राकेश सिंह ने कहा कि कोविड के समय में हर बच्चे के हाथ में मोबाइल थमा दिया गया। मोबाइल से शिक्षा तो मिली, लेकिन दुरुपयोग ज्यादा बढ़ गया। ऐसे में जितना जरूरी हो, बच्चों को उतना ही मोबाइल का उपयोग करने दें।

एसपी अशोक कुमार मीणा ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रत्येक संस्था में आंतरिक कमेटी का गठन किया जाए। कोई अपराध होने पर पहले कमेटी जांच करे, फिर अग्रिम कार्रवाई की जाए। आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि अच्छी सुरक्षा मिलने से समृद्धि आई है। पहले उद्यमी जहां निवेश करने से डरते थे। अब ग्रामीण इलाकों में फैक्टरी चल रही हैं।

चैप्टर चेयरमैन गुरजीत मोंगा ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। रोहित गोयल के संचालन में हुए कार्यक्रम में चेयरमैन गुरजीत मोगा, सचिव हेमंत रोहरा, कोषाध्यक्ष अंकित गुप्ता, शुभम खन्ना, विनम्र अग्रवाल मौजूद रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित एडीजी रमित शर्मा, आईजी राकेश कुमार, एसपी अशोक मीणा व आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल। संवाद

स्कूल संचालकों ने उठाए बिंदु

स्कूल संचालकों ने एडीजी को बताया कि एंटी रोमियो स्क्वॉयड के सदस्य स्कूल में आते हैं और पंफलेट्स देते हुए फोटो खिंचाकर चले जाते हैं। छात्र-छात्राओं को जागरूक करने की भी आवश्यकता है। एडीजी ने एसपी से संज्ञान लेते हुए जागरूक कराने के निर्देश दिए। व्यापारियों व उद्यमियों ने कहा कि उनके साथ कोई घटना होने पर वे ही सवालों के घेरे में आ जाते हैं। उद्यमी सरकार को टैक्स देते हैं। उनकी बात भी पुलिस को सुननी चाहिए।

महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया

महिला सुरक्षा पर चिकित्सक व वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. संगीता मोहन ने कहा कि हम लोग एक समाज में रहते हैं, इसलिए समाज को जागरूक करने की जरूरत है। महिलाओं की सुरक्षा भी पुख्ता होना चाहिए। कैप्टन प्रमोद गुप्ता ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में होने चाहिए।

दैनिक जागरण जनपद शाहजहॉपुर दिनॉक 08.09.2024

'तकनीकी आधारित गतिविधियों पर उद्यमी ध्यान दें'

आइआइए की ओर से हुआ सुरक्षा से समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन, आइजी व एसपी ने भी किया संबोधन

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर शहर के ग्रैंड आर्क होटल में सुरक्षा से समृद्धि विषय कार्यक्रम हुआ, जिसमें पुलिस अधिकारियों के साथ उद्यमियों ने संवाद किया। उनसे सुरक्षा से लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उनके निस्तारण को लेकर सवाल भी किए।

संवाद एवं समाधान कार्यक्रम में मौजूद में मंचासीन एडीजी रमित शर्मा, आइजी डा. राकेश कुमार, एसपी अशोक कुमार मीणा, आइआइए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल • जागरण

एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि जिले में बड़े-बड़े उद्योग हैं। उनकी एक समिति बनाई जाए। उद्यमी सीएसआर के तहत बहुत कार्य करते रहते हैं। उनको सुरक्षा के दृष्टिकोण से सोचते हुए तकनीक आधारित गतिविधियों पर भी ध्यान देना होगा। पुलिस उन लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार है। आइजी डा. राकेश पांडेय ने साइबर सिक्योरिटी इंडस्ट्री डेवलपमेंट के लिए कैसे काम करें इस पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपराधी हमारे समाज के बीच में हैं, जिनसे लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस लगातार संघर्ष करती रहती है। आमजन का सहयोग भी मिले तो अपराध पूरी तरह नियंत्रित होंगे। चिकित्सक डा. संगीता मोहन ने भी जागरूकता पर जोर दिया। कैप्टन प्रमोद गुप्ता ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसे आयोजन पर जोर दिया। एसपी अशोक कुमार मीणा ने कहा कि आज के समय महिलाओं की सुरक्षा की जब बात की जाती है तो जरूरी है कि वह कोई भी संस्थान हो वहां पर इसके अनुकूल वातावरण तैयार करें। अध्यक्षता कर रहे आइआइए के पूर्व अध्यक्ष व उप्र प्लाईवुड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश और जिले में अभी भी बहुत से ऐसे अनकहे व्यवधान और सुरक्षा संबंधित अवरोध हैं जिन पर संवाद से ही समाधान पाया जा सकता है। इसलिए यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि कोई देश हो छोटा देश हो, प्रदेश हो या गांव। अगर वहां पर उद्योग विकसित नहीं है तो वह विकसित नहीं हो सकता। चैप्टर चेयरमैन गुरजीत मोंगा ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बतायी। आइआइए की केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शुभम खन्ना ने आयोजन को काफी उपयोगी बताया। रोहित गोयल, हेमंत रोहरा, अंकित गुप्ता, विनम्र अग्रवाल, जय गोविंद मोदी आदि मौजूद रहे।